ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटसि

स्रोत: हनि्दुस्तान टाइम्स

मच्छर जनति बीमारियाँ वशि्व के वभिनि्न हसि्सों में एक बड़ा खतरा बनी हुई हैं, **संयुक्त राज्य अमेरिका** में **ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटसि** (EEE) वायरस की उपस्थिति से इस खतरे में और वृद्धि हो गई है।

- हाल ही में **अलबामा और न्यूयॉर्क** में इस दुर्लभ वायरस से होने वाली बीमारी के मामले देखे गए हैं, जिसका सार्वजनकि स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटसि:

- **परिचय**
  - **ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटसि** (EEE) एक वायरल बीमारी है जिसके कारण **मस्तिष्क में सूजन** की समस्या होती है। यह संक्रमति मच्छर के काटने से **लोगों और जानवरों में फैलती** है।
    - **EEE की पहचान पहली बार वर्ष 1831 में मैसाचुसेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में घोड़ों में की गई थी।**
- **कारण:** EEE **ईस्टर्न इक्वनि इंसेफेलाइटसि वायरस (EEEV)** के कारण होता है, जो जीनस **अल्फावायरस (Genus Alphavirus)** और **टोगावरिडि (Togaviridae)** परविार से संबंधति है।
  - EEE वायरस में सगिल स्ट्रैंडेड, पॉजटिवि-सेंस वाला RNA जीनोम होता है।
  - EEEV मुख्य रूप से संक्रमति मच्छरों [वशिष रूप से **कुलीसेटा मेलानुरा समूह (Culiseta Melanura Group)** से संबंधति प्रजातयिों] के काटने से फैलता है।
    - ये मच्छर **मनुष्यों और घोड़ों (डेड-एंड होस्ट/Dead-End Hosts)** सहति **पक्षयिों (रज़िर्वायर होस्ट/Reservoir Hosts)** तथा स्तनधारियों को संक्रमति करते हैं।
    - यह वायरस **मनुष्यों के बीच** या घोड़ों जैसे जानवरों से मनुष्यों में **नहीं फैलता है।**
- **लक्षण: EEE से जुड़े लक्षण हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकते हैं, जो अक्सर तेज़ी से बढ़ते हैं:**
  - यह वायरस आमतौर पर तेज़ बुखार, सरिदर्द, ठंड लगना और मतली से शुरू होता है।
  - जैसे-जैसे संक्रमण बढ़ता है और गंभीर लक्षण उत्पन्न होने की संभावना होती है, जनिमें **दौरे, भटकाव और यहाँ तक कि कोमा** भी शामलि है।
- **प्रभाव:**
  - लगभग **33% संक्रमति व्यक्ति जीवति नहीं बच पाते** हैं, आमतौर पर लक्षण देखे जाने के 2 से 10 दनिों के बीच मृत्यु हो जाती है।
  - वायरस से बचे लोगों को **लंबे समय तक न्यूरोलॉजकिल समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है** , 50 वर्ष से ऊपर और 15 वर्ष से कम आयु वालों के इससे संक्रमति होने की संभावना अधकि होती है।
- **उपचार:**
  - वर्तमान में **ईस्टर्न इक्वाइन इंसेफेलाइटसि के इलाज** के लयि कोई **वैक्सीन** उपलब्ध नहीं है।
  - संक्रमण के खतरे को कम करने के लयि व्यक्तयिों को कई एहतयिाती कदम उठाने की सलाह दी जाती है,**जसिमें रपिलेंट का उपयोग और सुरक्षात्मक कपड़े पहनकर मच्छरों के काटने से बचना शामलि है।**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नम्नलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2017)

1. उष्णकटबिंधीय प्रदेशों में जीका वाइरस रोग उसी मच्छर द्वारा संचरति होता है जसिसे डेंगू संचरति होता है।
2. जीका वाइरस रोग का लैंगकि संचरण होना संभव है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eastern-equine-encephalitis